

पृष्ठक

विजय कुमार ढीड़ियाहल
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं संगायोजन
उत्तराखण्ड हाईकोर्टी।

श्रम एव सेवायोजन विभाग

प्रियजन: दस्तावेज़ दर्शाने की अनुमति दिलाकर, ३ सितंबर, २००७

४५०

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है, कि वित्तीय कार्यवर्ष-2007-08 हेतु क्षम एवं सेवायोजन प्रियांग के अन्तर्गत सेवायोजन प्रबल्ल के दीर्घालयीय (अनुदान संख्या-31) के अन्तर्गत आयोजनागत चरण में दधनशुल्क गढ़ी वी सलना-प्रियतण्णानुसार रुपये 11,25,000/- (रुपये चार लाख प्रियांगी हजार मात्र) की धनतात्रि तो प्राप्त विषय जाने की वी संभावित राह पर रखीकृति प्रदान करते हैं।

2— उक्त घनराति इस प्रतिक्रिया के तात्पर एवं शर्तों के अधीन आपके निकालन पर रखी जा रही है, कि उक्त सदृश आपेक्षित रहीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहीं यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि घनराति का आवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय उत्तर से बजट मैन्युअल या किंतुपीय हस्ताक्षितात् के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। उहीं व्यय उत्तर से पूर्व राजन अधिकारी जी स्थीरति आवश्यक हो, वहीं ऐसा व्यय नालून अधिकारी जी स्थीरति द्वापा करके ही किया जायेगा। व्यव से मिलायपाता निकालन अवश्यक है, मिलायपाता के सम्बन्ध में रामबान-रामय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों जा अनुसारण कराई से सुनिश्चित किया जावे। व्यष्ट उन्हीं नदों में किया जायेगा जिराके जिते हुए स्थीरति किया जा रहा है।

3- उत्तर वाद गालू पिल्टीय वर्ष 2007-08 ट्रिं अनुदान संख्या-31 मुठ्ठ सेक्वारीर्चक 2230-अम तथा रोबगार के अन्दरगढ़ सलमनक मे उल्लिखित। लेखारीर्चक की मुसलगा बनक मर्टे के नामे जाता जायेगा। यह अवधान लिटरेशन, प्रशिक्षण एवं संवादोंजन के अधीन स्थिति/भारा दशन केंट और स्थापना के लिए किया जा रहा है।
संवादक- गोपीनाथ।

274

(दिजय कुमार दीड़ियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: (i)/VIII/08-सेवाइटीसी०/2006, तददिनाक :
प्रतिपिण्डि प्रियप्रिण्डि को सार्वजनिक विज्ञापन - १८ अगस्त २००६

प्रतिसिपि निम्नलिखित को सूचनार्थे एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेरित-

- 1- महालंखाकार, उत्तराखण्ड, देहस्थान।
- 2- सम्बन्धित जनपद के कोषाचिकारी।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- वित्त अनुभाग-५
- 5- नियोजन विभाग।
- 6- प्रभागांशोकी, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ह राष्ट्र।

आठवीं सं

(लक्ष्मण सिंह)
अनुरागेन।

शासनादेश संख्या/१०८/१/VIII/०८—सेवाटी०सी०/२००७, दिनांक: ३ जुलाई २००७ का संलग्नक:
आयोजनागत अनुदान संख्या: ३१ घनराशि हजार रुपये में

मुख्य लेखार्थीर्वक २२३०—ब्रह्म तथा रोजगार
०२—रोजगार सेवाये
७९६—जनजातीय क्षेत्र उपयोजना
०१—शिक्षण/मार्ग केन्द्र की स्थापना

क्रमांक	कोड/पद	भांचटित घनराशि
१	०१—वैतन	५०२
२	०३—महगाई भत्ता	३१९
३	०५—राशानाचरण यात्रा व्याय	२०
४	०६—अन्य भत्ता	६२
५	०९—पिशुत देय	१०
६	१७—किसाया उपशुल्क एवं कर स्थानित्व	२०
७	४७—महगाई पेतन	२५२
योग :		११८५/-

(रुपये हजार हाँ विवासी हजार मात्र)

(लक्ष्मण रिह)
अनुसाधित।